

दरबार तो एक ही है सवाल सरकार का है

दरबार तो एक ही है सवाल सरकार का है,
खाटू नरेश का है नीले पे सवार का है,

क्यों भटके हजार जगह मन एक पे अटका ले,
इंकार नहीं करता कल पे भी नहीं ताले,
अभी मांग अभी लेजा दिल ये दिलदार का है,
दरबार तो एक ही है सवाल सरकार का है,

खाटू का श्याम धनि जब किरपा पार करे,
जो आया वो राजी गया पतझड़ में बहार करे,
यहाँ डेट मिले सबको मतलब नहीं हार का है,
दरबार तो एक ही है सवाल सरकार का है,

मन में विश्वास लिए आ श्याम शरण आज,
दुनिया की ना परवाह कर तू होक मगन आज,
यहाँ वहा इधर क्या उधर रुकना वेकार का है,
दरबार तो एक ही है सवाल सरकार का है,

तू खोल जुबा प्यारे बाबा को पुकार तो ले,
आये गये जिस पथ से पलकों से वो बुहार तो ले,
इतना तो सरल समजो सौदा एक मार का है,
दरबार तो एक ही है सवाल सरकार का है,

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/8258/title/darbar-to-ek-hi-hai-sawal-sarkar-ka-hai-khatu-naresh-ka-hai-neele-pe-sawar-ka-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |